



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1322]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 18, 2008/भाद्र 27, 1930

No. 1322]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 18, 2008/BHADRA 27, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 2008

सं. 42 (आरई-2008)/2004—2009

का.आ. 2235(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 (समय-समय पर यथासंशोधित) के पैराग्राफ 4.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार विदेश व्यापार नीति में, एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. पैराग्राफ 4.3.1 का पहला उप पैराग्राफ निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :—

“निर्यातक मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में निर्यातों के शेष पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के विनिर्दिष्ट प्रतिशत पर ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र एकक/विशेष आर्थिक क्षेत्र विकासक/सह-विकासक को आपूर्ति के मामले में, निर्यातक मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में किए गए निर्यातों अथवा विशेष आर्थिक क्षेत्र एकक/विशेष आर्थिक क्षेत्र विकासक/सह-विकासक के विदेशी मुद्रा खाते से किए गए भुगतान पर ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। इसके अलावा, 10-2-2006 से प्राप्त हुई आपूर्तियों हेतु विशेष आर्थिक क्षेत्र विकासक/सह-विकासक द्वारा भारतीय रुपये में किए गए भुगतान के मामले में, निर्यातक डीईपीसी लाभ का भी हकदार होगा।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/94/180/एसईजैड-डीईपीवी/एम 09/पीसी-4]

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th September, 2008

No. 42 (RE-2008)/2004—2009

S.O. 2235(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with para 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 (as amended from time to time), the Central Government hereby makes the following amendment in Foreign Trade Policy :—

1. The 1st sub-paragraph of paragraph 4.3.1 stands amended as follows :—

“An exporter may apply for credit, as specified percentage of FOB value of exports, made in freely convertible currency. In case of supply by a DTA Unit to a SEZ Unit/SEZ Developer/Co-Developer, an exporter may apply for credit for exports made in freely convertible currency or payment made from foreign currency account of SEZ Unit/SEZ Developer/Co-Developer. In addition, the exporter shall also be entitled for DEPB benefit in case payment is made in Indian Rupees by SEZ Developer/Co-Developer for supplies received w.e.f. 10-2-2006.”

This issues in Public Interest.

[F. No. 01/94/180/SEZ-DEPB/AM 09/PC-4]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
& ex-officio Addl. Secy.